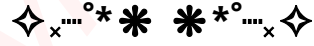


आरती: श्री महावीर भगवान | जय सन्मति देवा Shri Mahaveer Bhagwan Arati: Jai Sanmati Deva



॥ श्री महावीर भगवान् । जय सन्मति देवा ॥

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा ।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

सिद्धार्थ नृप नन्द दुलारे,
त्रिशला के जाये ।
कुण्डलपुर अवतार लिया,
प्रभु सुर नर हर्षाये ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

देव इन्द्र जन्माभिषेक कर,
उर प्रमोद भरिया ।
रूप आपका लख नहीं पाये,
सहस आंख धरिया ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

जल में भिन्न कमल ज्यों रहिये,
घर में बाल यती ।
राजपाट ऐश्वर्य छोड़ सब,
ममता मोह हती ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

बारह वर्ष छद्मावस्था में,
आतम ध्यान किया ।
घाति-कर्म चूर-चूर,
प्रभु केवल ज्ञान लिया ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

पावापुर के बीच सरोवर,
आकर योग कसे ।
हने अघातिया कर्म शत्रु सब,
शिवपुर जाय बसे ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

भूमंडल के चांदनपुर में,
मंदिर मध्य लसे ।
शान्त जिनेश्वर मूर्ति आपकी,
दर्शन पाप नसे ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

करुणासागर करुणा कीजे,
आकर शरण गही ।
दीन दयाला जगप्रतिपाला,
आनन्द भरण तु ही ॥
॥ॐ जय सन्मति देवा...॥

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा ।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा ॥

जय सन्मति देवा,
प्रभु जय सन्मति देवा ।
वर्द्धमान महावीर वीर अति,
जय संकट छेवा ॥

<<•• * ••>>

॥ Shri Mahaveer Bhagwan Arati: Jai Sanmati Deva ॥

Jai ho jai jai hai sanmati deva,
Prabhu jai sanmati deva ।
Varddhamān mahāvīr vīr ati,
Jai sankat chheva ॥
॥Om jai sanmati deva... ॥

Siddhārth nṛip nandan dulāre,
Triśhalā ke jāye ।
Kuṇḍalapur avatār liyā,
Prabhu sur nar harshāye ॥
॥Om jai sanmati deva... ॥

Dev indra janmābhiṣek kar,
Ur pramod bhariyā ।
Rūp āpakā lakh nahīm pāye,
Sahas ānkh dhariyā ॥
॥Om jai sanmati deva... ॥

Jal mein bhinn kamal jyom rahiye,
Ghar mein bāl yatī ।
Rājapāṭ aśvarya chhod sab,
Mamatā moh hatī ॥
॥Om jai sanmati deva... ॥

Bārah varṣ chhdmāvasthā mein,
Ātam dhyān kiyā ।
Ghāti-karm chūr-chūr,
Prabhu keval jñān liyā ॥

॥Om jai sanmati deva... ॥

Pāvāpur ke bīch sarovar,
Ākar yog kase |
Hane aghātiyā karm śatru sab,
Shivpur jāye base ॥

॥Om jai sanmati deva... ॥

Bhūmandal ke chāndanapur mein,
Mandir madhya lase |
Shānt jinēśvar mūrti āpakī,
Darśan pāp nase ॥
॥Om jai sanmati deva... ॥

Karunāsāgar karuṇā kīje,
Ākar śaraṇ gahe |
Dīn dayālā jagpratipālā,
Ānand bharaṇ tu hī ॥
॥Om jai sanmati deva... ॥

Jai sanmati deva,
Prabhu jai sanmati deva |
Varddhamān mahāvīr vīr ati,
Jai sankat chheva ॥

Jai sanmati deva,
Prabhu jai sanmati deva |
Varddhamān mahāvīr vīr ati,
Jai sankat chheva ॥

✧.....°*✱ ✱*°.....✧